कोयला खानों का बन्द किया जाना

31. **श्री वीरेन जे० शाह :**
डा० जितेन्द्र कुमार जैन :

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करगे कि :

(क) क्या यह सच कि हाल ही में कोल इंडिया लि० के अधीन कार्यरत 18 कोयला खानों को बंद करने का निर्णय किया गया हैं;

(ख) क्या ऐसा निर्णय इन खानों के अलाभकारी हो जाने के कारण किया जा रहा हैं;

(ग) क्या यह भी सच हैं कि कोल इंडिया लि० और सरकारी क्षत्र की अन्य कोयला कंपनियों के अधीन कार्यरत अनेक खान अलाभकारी होती जा रही है ;

(घ) यदि हां, तो 1992 के वर्ष के अंत तक देश में ऐसी खानों की कुल सख्या कितनी है;

(ङ) क्या कोल इंडिया लि. ने वर्ष 1992–93 के दौरान 225 करोड़ रुपए से अधिक का लाभ कमाया है ; और

(च) यदि हां, तो इन अलाभकारी कोयला खानों को लाभकारी खानों में बदलने के लिए आधुनिक तकनीक नहीं अपनाए जाने के क्या कारण हैं ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) (क) और (ख) कुछ कोयला खानों को निम्न कारणों से बंद किया जाना अपरिहार्य हो सकता है :– (1) भंडारों की समाप्ति (2) प्रतिकूल भू-खनन स्थितियां, (3) प्रतिकूल खान सुरक्षा स्थितियां तथा (4) आर्थिक दृष्टि से अलाभप्रदता, (जबकि विलय, कार्यक्षमता में सुधार, प्रौद्योगिकी में सुधार, आदि के उपायों के बाद भी प्रचालनों की आर्थिक व्यावहार्यता में सुधार न हो सके)। कोल इंडिया लि० ने कुछ खानों को विनिर्दिष्ट किया हैं जहां कि प्रतिकूल भू-गर्भीय परिस्थितियों तथा भंडारों की समाप्ति के कारण उनके कार्य-निष्पादन में सुधार नहीं किया जा सका हैं। किंतु, कोल इंडिया लि० के अनुसार इन खानों को बंद किए जाने संबंधी कोई निर्णय नहीं लिया गया हैं।

(ग) और (घ) कोल इंडिया लि० में वर्ष 1992–93 के दौरान 350 खानों के घाटे में चलने की सूचना मिली थी। इसी प्रकार, सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लि० में 56 खानें घाटे में चल रही थी।

(ङ) वर्ष 1991–92 की तरह ही कोल इंडिया लि० के वर्ष 1992–93 में भी लाभ कमाने की संभावना हैं। किन्तु इसका सही ब्यौरा इसके वर्ष 1992–93 के खातों को अंतिम रूप दिए जाने तथा उनकी लेखा परीक्षा हो जाने पर ही लग सकेगा।

(च) कोयले की उत्पादन लागत अनेक मुद्दों पर, जिनमें भू-खनन परिस्थितियां तथा अंगीकृत की गई प्रौद्योगिकी की किस्म शामिल हैं, पर निर्भर करती हैं। एक विशिष्ट प्रौद्योगिकी, सभी मामलों में लागत-प्रभावी नहीं हो सकती हैं। इसके अलावा, उच्च यंत्रीकृत, गहन पूंजीगत प्रौद्योगिकियां सदैव उपयुक्त नहीं हो पाती हैं। किंतु, कोल इंडिया लि० में लागत में कमी किए जाने तथा लागत को नियंत्रित किए जाने के संबध में निरन्तर प्रयास किए जा रहे हैं। इस उद्देश्य से निवेश, श्रमशक्ति तथा अन्य आगतों की तुलना में अधिकतम उत्पादन प्राप्त किए जाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।